NSDL
Technology, Trust & Reach

द फाइनेंशियल कैलिडोस्कोप

डिफाइनिंग द डिफरेंट शेप्स ऑफ़ इन्वेस्टमेंट

मार्च - मई 2021

शेयर की मूल बातें

लिस्टिंग, मूल्य निर्धारण और कॉर्पोरेट लाभ

संपादक की कलम से

वित्तीय वर्ष 2020-21 में खोले गए नए डीमैट खातों ने पूंजी बाजार में खुदरा निवेशकों की बढ़ी हुई भागीदारी का दिलचस्प रुझान दिखाया है। शेयर बाजार सूचकांक ऊपर बढ़ने के परिणामस्वरूप कई कम्पनियाँ वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान अपने प्रथम सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) बाजार में लेकर आयी। आप में से बहुत से लोग आईपीओ की संख्या में आई हुई बढ़ोत्तरी से अवगत होंगे। इसमें कई पुरानी और भरोसेमंद कंपनियों के साथ-साथ नए जमाने की इंटरनेट कंपनियां भी शामिल हैं।

ऐसा लग रहा है कि नए आईपीओ आने का चलन शेष वित्तीय वर्ष में भी जारी रहेगा। आगामी आईपीओ की संख्या से इस तथ्य की पुष्टि होती है। तकनीक को अपनाने के साथ-साथ नए निवेशकों की जिज्ञासा ने कई लोगों को हमसे कुछ बुनियादी सवाल पूछने के लिए प्रेरित किया है। इसलिए 'द फाइनेंशियल कैलिडोस्कोप' के इस अंक में हम शेयर से संबंधित कुछ बुनियादी बातों पर चर्चा करेंगे। शेयर बाजार (स्टॉक एक्सचेंज) में उन्हें कैसे सूचीबद्ध (लिस्टिंग) किया जाता है, उनके उतार - चढ़ाव के पीछे मूल सिद्धांत क्या हैं, लाभाँश, बोनस, राइट्स इश्यू और डीलिस्टिंग क्या होती है और निवेशकों के लिए इसका क्या मतलब है।

हम अपने सभी पाठकों को 'नॉलेज विंस कांटेस्ट' में भाग लेने के लिए और समाचार पत्र के अंदर दिए गए लिंक पर प्रतिक्रिया और सुझाव देने के लिए आमंत्रित करते हैं।

हम आपसे अनुरोध करते हैं कि आप इस समाचार पत्र को अपने मित्रों, सहकर्मियों और किसी अन्य व्यक्ति के साथ साझा करें, जो इसमें रुचि रखते हों। इसे https://nsdl.co.in/e-newsletter.php पर सब्सक्राइब किया जा सकता है।

सादर,
एनएसडीएल निवेशक शिक्षा टीम

शेयर की लिस्टिंग

शेयर की लिस्टिंग का क्या मतलब है ?

लंबी अवधि में धन इकट्ठा करने के लिए इक्विटी शेयर एक निवेशक की रणनीति का अनिवार्य हिस्सा हैं। एक प्रकार से यह, खरीदे गए शेयर की बराबरी में कंपनी के उतने हिस्से के मालिक होने जैसा है। हालांकि, इससे पहले कि निवेशक शेयर बाजार पर शेयर खरीद या बेच सकें, कंपनी को भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) द्वारा निर्धारित कुछ मानदंडों को पूरा करना पड़ता है। आवश्यक अनुमति प्राप्त करने के बाद कंपनी अपना आईपीओ ला सकती है और सफल अभिदान पर शेयर दी गई तारीख को शेयर बाजार में सूचीबद्ध होते हैं। इस पूरी कवायद को 'शेयर बाजार में लिस्टिंग' के रूप में जाना जाता है जिसके बाद शेयर का सार्वजनिक रूप से कारोबार किया जा सकता है।

कंपनियां शेयर बाजार में क्यों सूचीबद्ध होती हैं?

शेयर बाजार में सूचीबद्ध हुए बिना किसी कंपनी के लिए अपनी वित्तीयआवश्यकताओं को पूरा करना एक हद तक ही संभव है। जब कंपनी को विभिन्न व्यावसायिक जरूरतों के लिए पूँजी की जरूरत होती है, तो कर्ज का बोझ बढ़ाए बिना सार्वजनिक धन का लाभ उठाना एक अच्छा विकल्प होता है।
शेयर बाजार में सूचीबद्ध होना, कंपनी को समाज के व्यापक वर्ग तक पहुंचने और अपने वास्तविक मूल्य का आंकलन करने में एक महत्त्वपूर्ण कदम है।

शेयर बाजार में शेयर कैसे सूचीबद्ध होते हैं?

शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने की प्रक्रिया कंपनी के लिए विस्तृत और समय लेने वाली गतिविधि है। मोटे तौर पर इसमें निम्नलिखित चरण शामिल होते हैं –

1. कंपनी यह निर्धारित करती है कि उसे जनता से धन जुटाने की जरूरत है।
2. कंपनी अपने सार्वजनिक निर्गम को मंजूर करवाने के लिए सेबी के पास एक आवेदन करती है। कंपनी को अपने प्रवर्तक, व्यवसाय संचालन, लाभ होने की क्षमता, सार्वजनिक निर्गम का उद्देश्य आदि के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान करना पड़ता है।
3. आवेदक कंपनी को सेबी के कई पात्रता मानदंडों को पूरा करने की आवश्यकता होती है। कंपनी द्वारा आवेदन करने पर उसे कई खुलासे भी करने होते है।
4. सेबी आवेदन का मूल्यांकन करता है और संतुष्ट होने पर सार्वजनिक निर्गम के लिए अपनी स्वीकृति प्रदान करता है।
5. सेबी की मंजूरी के बाद कंपनी प्राथमिक बाजार में अपना आईपीओ ला सकती है।
6. एक बार आईपीओ खुलने के बाद निवेशक अपने शेयर दलाल या अन्य अधिकृत मध्यस्थों के माध्यम से शेयर खरीदने के लिए आवेदन (या बोली) कर सकते हैं।
7. आईपीओ बंद होने के बाद, निवेशक को उसके डीमैट खाते में शेयर प्राप्त होते हैं और बैंक खाते में अवरोधित राशि डेबिट कर दी जाएगी।
8. कंपनी द्वारा आवेदकों या बोली लगाने वालों को शेयर के आवंटन के बाद, शेयर बाजार के प्लेटफॉर्म पर शेयर का कारोबार (ट्रेडिंग) शुरू होता है।
9. ट्रेडिंग शुरू होने के बाद कोई भी अपने संबंधित शेयर दलाल के माध्यम से उस कंपनी के शेयर खरीद या बेच सकता है।

शेयर का मूल्य निर्धारण

आईपीओ के लिए शेयर की कीमत कैसे निर्धारित की जाती है?

इन दिनों जारीकर्ता कंपनियां एक मूल्य सीमा (प्राइस बैंड) तय करती हैं जिसके भीतर कोई भी व्यक्ति दिए गए शेयर की खरीद के लिए बोली लगा सकता है। यह प्राइस बैंड कंपनी द्वारा मर्चेंट बैंकर से चर्चा के बाद कई कारकों को ध्यान में रखते हुए तय किया जाता है। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि सेबी और शेयर बाजार (एनएसई / बीएसई) किसी कंपनी के सार्वजनिक निर्गम की अनुमति देते हैं मगर वे कंपनी द्वारा उसके मूल्य की जिम्मेदारी नहीं लेते हैं। शेयर बाजार में

सूचीबद्ध होने के बाद शेयर की कीमतें काफी हद तक बाजार के कारकों, माँग और आपूर्ति द्वारा निर्धारित होती हैं।

शेयर की कीमत के ऊपर या नीचे होने का क्या कारण है?

शेयर की कीमत किसी भी अन्य बाज़ार की तरह माँग और आपूर्ति के नियमों का पालन करती है। इसके अलावा हमारी अर्थव्यवस्था आपस में इतनी जुड़ी हुई है कि एक विशिष्ट कंपनी के बारें में अलग-अलग लोग क्या सोचते हैं और क्या महसूस करते हैं, इस आधार पर उसके शेयर की कीमतों में दिन भर उतार-चढ़ाव होता रहता है।

यदि अधिक लोगों को कंपनी के बेहतर प्रदर्शन और उज्जवल भविष्य में विश्वास है, तो उसकी माँग बढ़ेगी और उसके कारण उस शेयर की कीमत भी बढ़ेगी। और अगर कंपनी के लिए दृष्टिकोण या भावना प्रतिकूल है, तो लोग संभवतः अपने नुकसान को कम कर बिकवाली करना चाहेंगे। इससे शेयर की आपूर्ति बढ़ेगी, जिससे उसकी कीमतों में गिरावट आएगी। माँग को प्रभावित करने वाले कुछ आम कारक अपेक्षित और अप्रत्याशित कंपनी समाचार, वित्तीय दृष्टिकोण, उद्योग दृष्टिकोण, बाजार में छायी हुई भावना आदि हैं।

प्राइस ट्रेंड (मूल्य रुझान) क्या है और इसे समझना क्यों महत्वपूर्ण है?

प्राइस ट्रेंड किसी भी शेयर के बढ़ने की आम दिशा है। पिछले प्रदर्शन को दिखाने के अलावा, यह कंपनी के भविष्य की झलक दिखाते हैं और इसलिए उन निवेशकों के लिए महत्वपूर्ण है जो उस शेयर को खरीदना चाहते हैं। ऐतिहासिक प्राइस ट्रेंड ऊँचे और निचले व्यवहार को भी उजागर करते हैं जो प्रवेश (निम्न पर खरीददारी) और निकास (उच्च पर बिक्री) के समय का अनुमान लगाने में उपयोगी होते हैं।

मूल्य चित्र (प्राइस चार्ट) क्या होते है?

कहा जाता है कि एक तस्वीर हजार शब्दों के बराबर होती है। यह शेयर के प्राइस ट्रेंड के लिए बिल्कुल सही है, जिन्हें प्राइस चार्ट के रूप में भी जाना जाता है। दिनांक, मूल्य, कारोबार किए गए शेयर की मात्रा, विभिन्न प्रकार के प्राइस चार्ट जैसी जानकारी को जोड़ कर निवेशक कंपनी के प्रदर्शन को देख सकते हैं और ट्रेडिंग सम्बन्धी निर्णय ले सकते हैं।

हालांकि तकनीकी विश्लेषण अपने आप में एक विशेष क्षेत्र है, इसकी की मूल बातें और कुछ आम प्रकार के प्राइस चार्ट को पढ़ने की क्षमता से आपकी निवेश रणनीति में काफी सुधार हो सकता है।

कुछ आम प्रकार के चार्ट

रेखा चित्र (लाइन चार्ट):

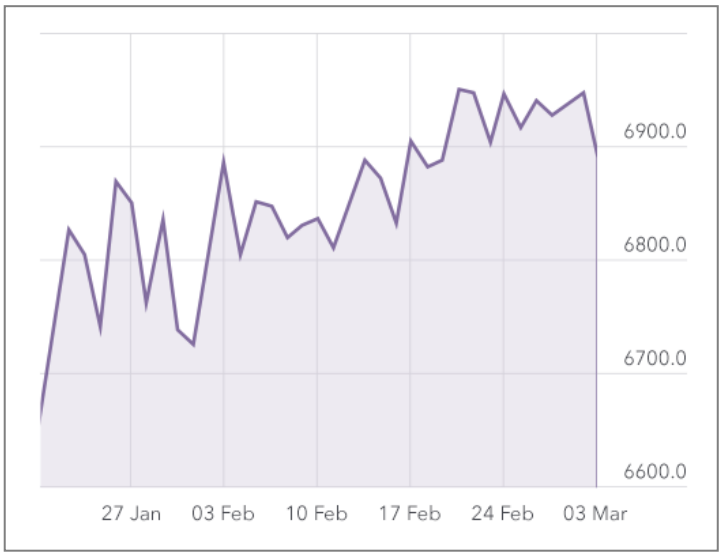

यह चार्ट सबसे परिचित चार्ट में से एक है जो प्रति कारोबारी दिन शेयर की कीमत दिखाता है। यह आमतौर पर अंत मूल्य को दर्शाता है और जिस अवधि के लिए यह रचा जाता है वह आवश्यकता के आधार पर कुछ दिनों से लेकर कुछ वर्षों तक हो सकता है। ग्राफ पर अंकित बिन्दुओं को मिलाने से बनने वाली रेखा उस अवधि के दौरान शेयर की कीमत में परिवर्तन को दर्शाती है।

दण्ड आरेख (बार चार्ट):

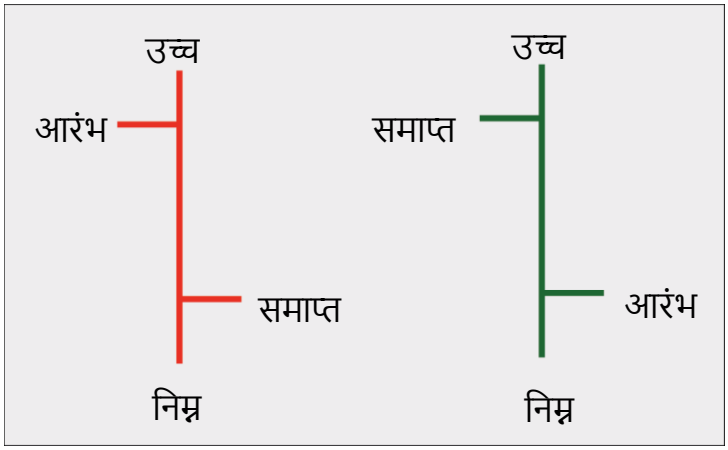

यह चार्ट शेयर के दिन भर के उच्च और निम्न कीमत को दर्शाता है। बार चार्ट दिखाता है कि एक निर्दिष्ट समय अवधि में शेयर की कीमतें कैसे बढ़ीं (या घटी)। दैनिक बार चार्ट, बार के रूप में दर्शाए गए प्रत्येक दिन के लिए मूल्य दिखाता है। बार का सबसे ऊपर का हिस्सा दिन के उच्च और नीचे का हिस्सा, दिन के निम्न मूल्य को दर्शाता है। दो अतिरिक्त आड़ी रेखाएं खुलने और बंद होने के मूल्य दर्शाती हैं। बार की लंबाई

शेयर में अस्थिरता को दर्शाती है। बार चार्ट अक्सर रंगीन होते हैं। यदि शेयर की कीमत, खुलने की स्तर के ऊपर बंद होती है तो यह हरे रंग का होता है, और यदि बंद होने की कीमत नीचे हो तो बार लाल रंग का होता है।

मोमबत्ती (कैंडलस्टिक) चार्ट:

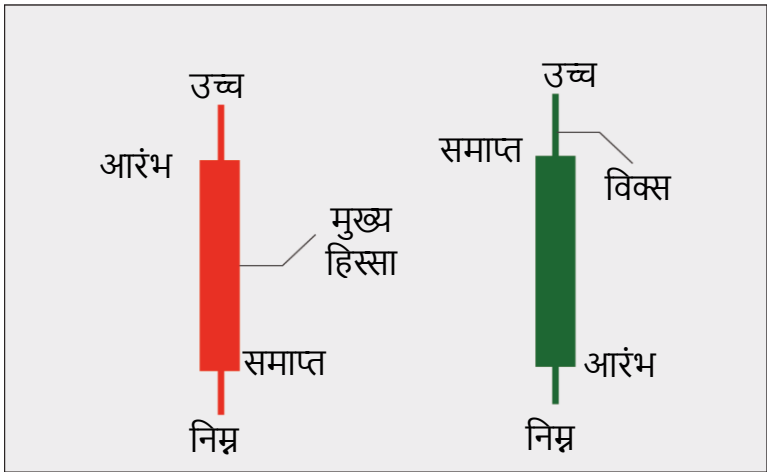

यह उन निवेशकों के लिए विशेष रूप से उपयोगी चार्ट है जो लंबी अवधि का दृष्टिकोण देखना चाहते हैं और विशिष्ट रुझानों की तलाश में हैं जो छोटी अवधि में नहीं दिखते हैं। बार चार्ट की तरह कैंडलस्टिक चार्ट शेयर के उच्च, निम्न, खुलने और बंद होने के मूल्य के बीच के संबंध को प्रदर्शित करता है। मोमबत्ती का मुख्य हिस्सा उस अवधि के दौरान किए गए व्यापार के खुलने और बंद होने के मूल्य दर्शाता है। मोमबत्ती के मुख्य हिस्से के ऊपर और नीचे खड़ी रेखाएं होती हैं जिन्हें विक्स या शैडो (बिम्ब) कहा जाता है जो शेयर के मूल्य के निम्न और उच्च को दर्शाती हैं। जबकि एक अकेली मोमबत्ती बहुत सी जानकारी प्रदान करती है, इसका स्वरुप (पैटर्न) मोमबत्ती की पिछली और अगली मोमबत्तियों के साथ तुलना करके निर्धारित किया जा सकता है। बार चार्ट के समान आधुनिक कैंडलस्टिक का हरा रंग दर्शाता है कि बंद होने का मूल्य शुरुआती मूल्य से अधिक था और इसके विपरीत लाल रंग दर्शाता है कि बंद होने का मूल्य शुरुआती मूल्य से कम था।

सर्किट ब्रेकर क्या हैं और वे कैसे काम करते हैं?

सर्किट ब्रेकर एक तंत्र है जिसका उपयोग शेयर बाजार में अत्यधिक अस्थिरता को रोकने के लिए किया जाता है। यह शेयर की कीमत में अधिकतम स्वीकार्य उतार-चढ़ाव को दर्शाता है जिसके बाद ट्रेडिंग निलंबित हो जाती है। शेयर के साथ-साथ शेयर सूचकांकों की सर्किट सीमा भी तय होती है। इसे ऊपरी सीमा और निचली सीमा के रूप में जाना जाता है जो पिछले कारोबारी दिन की समाप्ति कीमतों पर आधारित होते हैं। सर्किट ब्रेकर शेयर बाजार द्वारा निर्धारित और शासित होते हैं। सर्किट ब्रेकर का उद्देश्य इस तथ्य में निहित है कि हालांकि सूचकांक और शेयर की कीमतों में लगातार उतार-चढ़ाव होता है जो कई बाहरी कारकों पर प्रतिक्रिया स्वरुप भी होता है, कोई भी चरम गतिविधि खुदरा निवेशकों को भारी जोखिम में डाल सकती है। सर्किट ब्रेकर यह सुनिश्चित करते हैं कि कोई भी वृद्धि या गिरावट अनिश्चित काल तक जारी न रहकर, एक स्वीकार्य सीमा के भीतर रहें। यह विशेष रूप से छोटे निवेशकों के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण तंत्र है जो जिन्हे इस उतार चढाव के बीच फस कर बहुत अधिक वित्तीय हानि उठानी पद सकती है।

राइट्स, बोनस और लाभांश

राइट्स इश्यू क्या है?

सरल शब्दों में राइट्स इश्यू का अर्थ है किसी कंपनी द्वारा अपने मौजूदा शेयरधारकों को कंपनी के अतिरिक्त शेयर खरीदने का अधिकार देना। इस अधिकार द्वारा शेयरधारकों को मौजूदा बाजार मूल्य से कम कीमत पर शेयर मिलते हैं। शेयरधारकों के लिए राइट्स इश्यू में भाग लेना वैकल्पिक होता है। शेयरधारकों को कंपनी में उनकी मौजूदा अंश धारिता (होल्डिंग) के अनुपात में इस उद्देश्य के लिए तय की गई रिकॉर्ड तारीख के अनुसार राइट्स की पेशकश की जाती है।

राइट्स एंटाइटेलमेंट क्या है?

कुछ समय पहले तक किसी कंपनी के राइट्स इश्यू खरीदने के अधिकार का आर्थिक अर्थ तभी होता था जब शेयरधारक द्वारा इसका प्रयोग किया जाता था। यदि शेयरधारक राइट्स इश्यू खरीदने के अपने विकल्प का प्रयोग नहीं करने का निर्णय लेता, तो इसका कोई मूल्य नहीं बचता था। अब ऐसे शेयरधारक के लिए यह अधिकार ऐसे निवेशकों को बेचना संभव है जो इसे प्राप्त करने के इच्छुक हैं ताकि वे शेयर बाजार से कम कीमत पर खरीद सकें। 'शेयरों को खरीदने का अधिकार या राइट्स एंटाइटेलमेंट' को बिक्री योग्य साधन में परिवर्तित करके इसे संभव बनाया गया है। अब शेयर बाजार अपने ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म में राइट्स एंटाइटेलमेंट के व्यापार की अनुमति देते हैं। जिन शेयरधारकों को उनकी

कंपनी द्वारा ऐसा अधिकार दिया गया है, वे उसे अब अपने शेयर दलाल के माध्यम से बेच सकते हैं।

क्या एक निवेशक को राइट्स एंटाइटेलमेंट खरीदना चाहिए?

राइट्स एंटाइटेलमेंट बेचने की क्षमता उन शेयरधारकों को एक आर्थिक मूल्य देती है जो शेयर खरीदने के अपने अधिकार का प्रयोग करने में असमर्थ हैं या करना नहीं चाहते। दूसरी ओर राइट एंटाइटेलमेंट खरीदना आर्थिक समझदारी तभी है जब आप इसे खरीदने के बाद इसका प्रयोग करना चाहते हैं। यदि बाजार से खरीदे गए राइट्स एंटाइटेलमेंट वास्तव में शेयर खरीदने के लिए उपयोग नहीं किए जाते हैं तो उनका कोई मूल्य नहीं होता और उन्हें खरीदने के लिए खर्च किया गया पैसा बेकार हो जाता है।

यहाँ एक और महत्वपूर्ण बात यह है कि राइट्स एंटाइटेलमेंट के लिए कितनी कीमत चुकानी चाहिए ? इसे एक उदाहरण से समझते हैं।

एबीसी लिमिटेड के एक शेयर का वर्तमान बाजार मूल्य - ₹100
एबीसी लिमिटेड द्वारा घोषित राइट्स इश्यू मूल्य - ₹90
एबीसी लिमिटेड की राइट्स एंटाइटेलमेंट खरीदने के लिए भुगतान की जा सकने वाली अधिकतम कीमत - ₹10

(यहाँ सरलता के लिए लेन-देन की लागत को नजरअंदाज किया जाता है। वास्तव में लेन-देन की लागत उस कीमत को कम कर देगी जिसका भुगतान किया गया है।)

बोनस इश्यू क्या है?

बोनस शेयर, राइट्स शेयरों की तरह होते हैं, सिवाय इसके कि शेयरधारकों को ये शेयर कंपनी द्वारा बिना किसी मूल्य के आबंटित किए जाते हैं। राइट्स शेयर की तरह, बोनस शेयर इस उद्देश्य के लिए तय की गई रिकॉर्ड तारीख पर शेयरधारक को उनके द्वारा रखे गए शेयर की संख्या के आधार पर आबंटित किये जाते हैं।

उदाहरण के लिए, यदि आपके पास किसी कंपनी के 100 शेयर हैं, और कंपनी 2:1 के बोनस की घोषणा करती है (मतलब धारित प्रत्येक दो शेयर के लिए 1 बोनस शेयर) तो आपको उनके लिए कोई कीमत चुकाए बिना 50 बोनस शेयर प्राप्त होंगे।

लाभांश (डिविडेंड) क्या है?

लाभांश कंपनी द्वारा कमाए गए मुनाफे का एक हिस्सा है जिसे वह अपने शेयरधारकों को नकद वितरित करता है। कंपनियों के लिए हर साल लाभांश का भुगतान करना अनिवार्य नहीं है लेकिन जो कंपनियां नियमित लाभांश का भुगतान करती हैं, वे निवेशकों को पसंद आती हैं क्योंकि इससे उन्हें कुछ नियमित आय होती है।

राइट्स और बोनस शेयर की तरह, लाभांश का भुगतान उन लोगों को किया जाता है, जो इस उद्देश्य के लिए तय की गई रिकॉर्ड तारीख पर शेयर रखते हैं। इसका भुगतान धारित शेयरों की संख्या के आधार पर किया जाता है। लाभांश की राशि उस बैंक खाते में जमा की जाती है जो संबंधित निवेशक के डीमैट खाते में दर्ज होता है। यदि शेयर भौतिक रूप में हैं, तो कंपनी निवेशक के उस बैंक खाते में लाभांश राशि जमा करती है जो कंपनी के रिकॉर्ड में उपलब्ध हो।

अपने डीमैट खाते में दर्ज बैंक खाते में किसी भी तरह के बदलाव की स्थिति में, निवेशक को इसकी जानकारी अपने डीपी को देनी चाहिए। डीमैट खाते में कौन से बैंक का विवरण दर्ज हैं, यह जानने के लिए अपना डीमैट खाते का विवरण (स्टेटमेंट) देखें। यदि आपके पास शेयर भौतिक रूप में हैं, तो आपको बैंक विवरण में बदलाव के लिए संबंधित कंपनी या उसके रजिस्ट्रार और ट्रांसफर एजेंट को अनुरोध भेजना होगा।

अतरल (इलिक्विड) शेयर क्या होते हैं?

जैसा कि नाम से पता चलता है, अतरल शेयर वह शेयर होते हैं जिनमें आप अपने निवेश को आसानी से बेच नहीं सकते क्योंकि इनमें सीमित व्यापार होता है। वे निवेशकों के लिए अधिक जोखिम वाले होते हैं क्योंकि पर्याप्त लेन देन वाले शेयर की तुलना में उनके लिए खरीददार ढूंढना मुश्किल होता है। अगर ऐसे शेयर जल्दी से बिक भी गए तो भी उनके मूल्य में काफी गिरावट हो सकती है।

अतरल शेयर कैसे पहचानें?

- अतरल शेयर की सूची के लिए एक्सचेंजों की वेबसाइट देखें। सेबी के एक परिपत्र (सर्कुलर) के अनुसार शेयर बाजार कुछ पूर्व-निर्धारित मानदंडों के आधार पर प्रत्येक तिमाही की शुरुआत में अतरल प्रतिभूतियों की पहचान करते हैं।

- किसी भी शेयर को खरीदने से पहले व्यापार मात्रा (ट्रेडिंग वॉल्यूम) की जांच करें। ऐसे शेयर का व्यापार कम होता है।
- बोली मूल्य और माँग मूल्य के बीच बहुत बड़ा अंतर है।
- शेयर अपने अंकित मूल्य से भी नीचे कारोबार कर रहे हैं।

शेयर की डीलिस्टिंग (असूचीबद्धता)

डीलिस्टिंग क्या है?

डीलिस्टिंग वह प्रक्रिया है जब कोई सूचीबद्ध कंपनी शेयर बाजार छोड़ देती है या शेयर बाजार प्लेटफॉर्म में अपने शेयर को कारोबार से वापस ले लेती है। यह कई कारणों से हो सकता है। उदाहरण - यदि कंपनी किसी अन्य कंपनी के साथ विलय कर रही है या उसकी कोई पुनर्गठन योजना है तो वह स्वेच्छा से डीलिस्ट कर सकती है या कभी-कभी लिस्टिंग मानकों को पूरा करने में विफल रहने पर शेयर बाजार द्वारा किसी कंपनी को डीलिस्ट करने के लिए मजबूर किया जा सकता है। कभी-कभी सफल और लाभ कमाने वाली कंपनियाँ भी अपने शेयर को हटा देती हैं यदि उनके प्रवर्तक कंपनी पर कड़ा नियंत्रण रखना चाहें। कंपनी को डीलिस्टिंग योजना को अमल में लाने से पहले डीलिस्टिंग की आवश्यकताओं का पालन करना होता हैं।

क्या होता है जब शेयर डीलिस्ट हो जाता है?

एक बार जब कोई कंपनी डीलिस्ट हो जाती है, तो उसके शेयर (या अन्य प्रतिभूतियाँ) शेयर बाजार प्लेटफॉर्म पर खरीदने और बेचने के लिए उपलब्ध नहीं होते हैं। इसलिए कोई भी व्यक्ति बाजार में कंपनी का शेयर न खरीद और न ही बेच सकता है।

कंपनी द्वारा डीलिस्टिंग का विकल्प चुनने पर आपको क्या करना चाहिए?

आम तौर पर डीलिस्टिंग प्रभावी होने से पहले कंपनी शेयरधारकों को अपना निवेश समाप्त करने के लिए पूर्व सूचना और विकल्प देती है। कंपनी को इस उद्देश्य से तय की गई रिकॉर्ड तारीख पर शेयर रखने वाले सभी लोगों को 'लेटर ऑफ ऑफर' और टेंडर फॉर्म' भेजना आवश्यक होता है।

शेयरधारक या तो कंपनी में अपने शेयर को जारी रखने का विकल्प चुन सकते हैं (यदि वह कंपनी एक असूचीबद्ध कंपनी के रूप में मौजूद रहती है) या वे कंपनी को ही शेयर को बाय बैक ऑफर के जरिए बेच सकते हैं। वे उन शेयर को बेच या हस्तांतरित भी कर सकते हैं जो उन्हें खरीदने के इच्छुक हैं।

ज्यादातर मौकों पर स्वैच्छिक डीलिस्टिंग शेयरधारकों के पक्ष में काम करती है, क्योंकि कंपनी उन्हें बेचने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए बाजार से अधिक मूल्य की पेशकश करती है। दूसरी ओर अनैच्छिक रूप से असूचीबद्ध करना लगभग हमेशा किसी बुरी खबर या वित्तीय कठिनाइयों से उत्पन्न होता है और इसमें शेयरधारकों के पैसे खोने की संभावना अधिक होती है।

शेयरधारक अपने शेयर को नहीं देने का विकल्प चुन, बोनस और लाभांश जैसे लाभों को प्राप्त करना जारी रख सकते हैं, हालांकि इसका व्यापार करने में असमर्थता इसे अपेक्षाकृत अतरल संपत्ति बनाती है। इसलिए व्यावहारिकता को ध्यान में रखते हुए निविदा प्रक्रिया में भाग लेना और निवेश से बाहर निकलना बेहतर हो सकता है।

डीमैट खाते में रखे शेयर को बाय बैक ऑफर के जरिए कैसे बेचें?

जब कोई कंपनी डीलिस्ट करने का निर्णय लेती है और अपने शेयर को वापस खरीदने की पेशकश करती है, तो वह मौजूदा शेयर धारकों को बायबैक प्रक्रिया में भाग लेने के लिए उनके द्वारा अपनाई जाने वाली प्रक्रिया के बारे में सूचित करती है। आमतौर पर कंपनी एक नया डीमैट खाता खोलती है जिसमे शेयरधारक एक निर्धारित समय सीमा के भीतर अपने शेयर बायबैक के लिए देना चाहे तो उस खाते में शेयर स्थानांतरित कर सकते हैं।

शेयर बाजार द्वारा स्वीकृत गणना पद्धति के अनुसार कंपनी शेयर कीमत की पेशकश करती है। वैकल्पिक रूप से शेयर बाजार के माध्यम से शेयर का बाय बैक किया जा सकता है। इसमें शेयर धारकों को अपने पसंदीदा मूल्य (दी गयी सीमाओं के भीतर) पर अपने हिस्से की पेशकश करने की आवश्यकता होती है। जो लोग अपने शेयर की पेशकश करना चाहते है, उन्हें अपने दलाल के पूल खाते में एक निर्दिष्ट बाजार प्रकार और निपटान संख्या के तहत शेयर को जमा करना होता है।

यदि कंपनी द्वारा बायबैक करने का निर्णय लेने से अधिक शेयर की पेशकश हो जाए तो कंपनी ओवरसब्सक्राइब किए गए आईपीओ के समान आनुपातिक आधार पर बोलियों को स्वीकार करती है।

यदि आपके शेयर भौतिक रूप में हैं तो बाय बैक ऑफर में भाग कैसे लें?

वे शेयरधारक जिनके पास भौतिक शेयर हो और बायबैक में भाग लेने का इरादा रखते हो, उन्हें निम्नलिखित दस्तावेजों के साथ अपने दलाल से संपर्क करना चाहिए –

1. सभी पात्र शेयरधारकों द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित निविदा प्रपत्र
2. मूल शेयर प्रमाणपत्र
3. कंपनी के पक्ष में हस्तांतरण को अधिकृत करने वाले हस्तांतरणकर्ताओं द्वारा विधिवत भरा और हस्ताक्षरित वैध शेयर ट्रांसफर फॉर्म - एसएच 4 फॉर्म
4. सभी शेयरधारकों के पैन कार्ड की स्व-सत्यापित प्रति
5. अन्य प्रासंगिक दस्तावेज जैसे कि पावर ऑफ अटॉर्नी, मृत्यु प्रमाण पत्र की नोटरीकृत प्रति और उत्तराधिकार प्रमाण पत्र या प्रोबेट वसीयत (यदि मूल शेयरधारक की मृत्यु हो गई है)
6. यदि शेयरधारक का पता बदल गया हो तो पते के प्रमाण की एक स्व-सत्यापित प्रति जैसे आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र या पासपोर्ट

इन दस्तावेजों के आधार पर, दलाल शेयरधारकों की ओर से शेयर बाजार प्लेटफॉर्म में बोली लगाता है। उपर्युक्त दस्तावेज दलाल कंपनी द्वारा बाय बैक के लिए नियुक्त रजिस्ट्रार को भेजे जाते हैं।

याद रखिए:

1. एसएमएस और अन्य माध्यमों से प्राप्त टिप्स आदि के आधार पर शेयर में कभी निवेश न करें।
2. यदि आप आवश्यक अध्ययन खुद करने में असमर्थ हैं तो किसी योग्य और पंजीकृत निवेश सलाहकार की सहायता लें।
3. आईपीओ की प्रक्रिया और डीलिस्टिंग से संबंधित विभिन्न दस्तावेज सेबी, शेयर बाजार और संबंधित कंपनी की वेबसाइट पर प्रकाशित किए जाते हैं। कोई निर्णय लेने से पहले उनके बारे में जानने के लिए कृपया कुछ समय दें।
4. आप बाय बैक में तभी भाग ले सकते हैं जब आपके पास शेयर हो।
5. यदि आपके द्वारा दिए गए सभी शेयर कंपनी द्वारा स्वीकार कर लिए जाते हैं, तो आप कंपनी के शेयरधारक नहीं रहेंगे। नतीजतन, आप बोनस, लाभांश जैसे किसी भी कॉर्पोरेट लाभ के हकदार नहीं होंगे।
6. भविष्य की कीमत का सटीक अनुमान लगाना असंभव है। सही समय का इंतज़ार करना निरर्थक है। इसका सीधा सा कारण यह है कि खरीदने और बेचने के सबसे अच्छे समय का तभी पता चलता है जब वह बीत चुका होता है।

विशेष स्तम्भ

स्मार्ट बैंकिंग से स्मार्ट ट्रेडिंग

जैसा कि हम शेयर और ट्रेडिंग के बारे में बात करते हैं, वैसे ही बैंकिंग सुविधाओं पर चर्चा करना भी समझदारी है जो आपके ट्रेडिंग अनुभव को बेहतर बना सकती हैं। वैसे तो ट्रेडिंग और बचत खाते के बीच लेनदेन बाधा रहित होना चाहिए। लेकिन क्या यह संभव है? जवाब है- हां, है।
एनएसडीएल पेमेंट्स बैंक अपने ग्राहकों को एक लिंक्ड ट्रेडिंग खाता सुविधा प्रदान करता है। यह खाता हमारे ग्राहकों और ब्रोकरों को एक बाधा रहित ट्रेडिंग अनुभव का आनंद लेने की शक्ति प्रदान करता है। यह कैसे काम करता है इसे समझने से पहले, आइए समझते हैं कि लिंक्ड ट्रेडिंग अकाउंट क्या है।

लिंक्ड ट्रेडिंग खाता

एनएसडीएल पेमेंट्स बैंक अपने ग्राहकों को एक अनूठा अवसर प्रदान करता है जहां बैंक बचत खाते को डीमैट और ट्रेडिंग खाते के साथ आसानी से जोड़ा जा सकता है। यह ग्राहकों को एक सुरक्षित ट्रेडिंग अनुभव देने के साथ-साथ धन के निर्बाध हस्तांतरण का में मदद करता है। यह एक ऐसा समाधान है जहां - बैंक, ब्रोकरेज हाउस और ग्राहक सभी को लाभ होता है।

NSDL Payments Bank

NSDL Jiffy

GET IT ON Google Play

एनएसडीएल जिफ्फी डाउनलोड करें : https://bit.ly/NSDLJoffyTFK_2

लिंक्ड ट्रेडिंग खाते की विशेषताएं और लाभ

धन हस्तांतरण: ग्राहकों के पास चार तरीकों से धन हस्तांतरण करने का विकल्प होता है:

I. हमारे मोबाइल बैंकिंग ऐप एनएसडीएल जिफ्फी के जरिए तुरंत धन हस्तांतरण करें।
II. दलाल द्वारा भेजे गए धन हस्तांतरण अनुरोध को अधिकृत करें।
III. दलाल के ऐप का उपयोग करके धन हस्तांतरण करें, और
IV. ऑटोपे के माध्यम से, ग्राहक एक निश्चित राशि और अवधि के लिए अपने दलाल के पक्ष में एक मैंडेट स्थापित कर सकता है।

सुरक्षित: प्रत्येक लेनदेन के दौरान, ग्राहकों को एम पिन दर्ज करके धन हस्तांतरण को अधिकृत करना पड़ता है। प्रत्येक लेन-देन के बाद सूचनाएं भेजी जाती हैं ताकि पैसे की आवाजाही और ग्राहक को मिले लाभ पर आसानी से नज़र रखी जा सके।

पोर्टफोलियो पर नज़र: ग्राहकों को अपने लेनदेन पर नज़र रखने के लिए अलग-अलग ऐप्स के बीच संघर्ष करने की ज़रूरत नहीं है। एनएसडीएल जिफ्फी आपके सभी ट्रेडिंग और निवेश के लिए एक समेकित दृश्य प्रदान करता है। संक्षेप में, आपकी सभी ट्रेडिंग जानकारी आपके एनएसडीएल जिफ्फी ऐप पर आसानी से उपलब्ध है।

व्यापार में आसानी: लिंक्ड ट्रेडिंग खाते के माध्यम से ग्राहक कभी भी, कहीं भी लेनदेन कर सकते हैं जिससे कभी भी वित्तीय अवसर नहीं चूकते।

I. शून्य शेष (जीरो बैलेंस) बचत खाता: एनएसडीएल पेमेंट्स बैंक का बचत खाता सुविधाओं के अनूठे मिश्रण के साथ आता है:
II. कोई न्यूनतम शेष राशि की आवश्यकता नहीं है
III. मुफ्त वर्चुअल डेबिट कार्ड के साथ तत्काल खाता सक्रिय हो जाता है
IV. विभिन्न बिलर श्रेणियों में त्वरित रिचार्ज और बिल भुगतान विकल्प

विशेषज्ञ स्तम्भ

आईपीओ मूल्य निर्धारण और शेयर की लिस्टिंग

द्वारा - श्री नीरज चड़वार, क्वॉन्टिटेटिव स्ट्रेटेजी प्रमुख, एक्सिस सिक्युरिटीज़ लिमिटेड

प्रतिभूतियां वह वित्तीय साधन हैं जो विकास हेतु पूंजी जुटाने के लिए जारी की जाती हैं। प्रतिभूतियां कंपनियों के द्वारा प्रतिभूतियां जारी की जाती हैं और जिन निवेशकों के पास अधिशेष धन है, वे उन प्रतिभूतियों में प्राथमिक (प्राइमरी) बाजार के माध्यम से या द्वितीयक (सेकेंडरी) बाजार में शेयर बाजार के माध्यम से निवेश कर सकते हैं। प्रतिभूतियां खरीदना मतलब बचत का वित्तीय परिसंपत्तियों में रूपांतरण है जो दीर्घकालिक धन सृजन के लिए उपयोगी लाभ प्रदान करता है।

लिस्टिंग क्या है?

व्यवसाय के विस्तार हेतु पूंजी इकट्ठा करने की योजना बनाने वाली किसी भी कंपनी के लिए लिस्टिंग वह रास्ता है जो यह आवश्यकता को पूरा कर सकता है। इस पूंजी की आवश्यकता को ऋण, ऋणपत्र या सार्वजनिक होकर (स्वामित्व में हिस्सेदारी को बेचकर) पूरा किया जा सकता है। सार्वजनिक बनना एक रणनीतिक निर्णय है और विकास के अगले चरण के लिए परिवर्तनकारी साबित हो सकता है। आम जनता को शेयर की बिक्री के माध्यम से पूंजी जुटाकर कम्पनियाँ सार्वजनिक बन सकती हैं। इस पूरी प्रक्रिया को प्रथम सार्वजनिक निर्गम (इनिशियल पब्लिक ऑफर - आयपीओ) के नाम से जाना जाता है। एक कंपनी डीआरएचपी (ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस) दस्तावेज तैयार करने के लिए किसी मर्चेंट बैंकर की नियुक्ति करती है। यह एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है जिसमें प्रवर्तकों (प्रमोटर), कंपनी

की वित्तीय स्थिति, व्यवसाय विकास के संचालक और अन्य बहुत विस्तृत जानकारी शामिल होती है। सेबी से अपेक्षित अनुमति प्राप्त करने के बाद, कंपनी प्राथमिक बाजार में अपना आईपीओ लॉन्च करती है और सफल सदस्यता पर दी गई तारीख पर शेयर बाजार में सूचीबद्ध होती है। लिस्टिंग के बाद शेयर बाजार (द्वितीयक बाजार) में कंपनी के शेयर का नियमित कारोबार किया जा सकता है। प्राथमिक से द्वितीयक बाजार तक की पूरी यात्रा को लिस्टिंग के रूप में जाना जाता है।

आईपीओ मूल्य निर्धारण

आईपीओ की कीमत मर्चेंट बैंकरों और कंपनी द्वारा तय की जाती है। यह मूल्य निर्धारण बुक बिल्डिंग प्रक्रिया का एक हिस्सा है जिसमें निवेशकों को एक मूल्य बैंड प्रदान किया जाता है और प्रत्येक आवेदक को दिए गए मूल्य सीमा से पूर्व-निर्धारित शेयरों की संख्या के लिए बोली लगाने की आवश्यकता होती है। लिस्टिंग के दिन कंपनी का शेयर बाजार में सूचीबद्ध हो जाता है। लिस्टिंग मूल्य संस्थागत (इंस्टीटूशनल), उच्च आय व्यक्ति (एचएनआई) और सार्वजनिक श्रेणियों में आवेदन पर और मौजूदा बाजार स्थितियों पर आधारित होती है। यदि कोई पब्लिक इश्यू ओवरसब्सक्राइब हो जाता है, तो लिस्टिंग के दिन लिस्टिंग लाभ की संभावना अधिक हो सकती है, लेकिन फिर भी यह लिस्टिंग के दिन मौजूदा मार्केट स्थितियों पर निर्भर करता है।

यहां अहम सवाल यह है कि कंपनियां पब्लिक इश्यू के लिए क्यों जाती हैं? उत्तर सरल है - विकास या विस्तार योजना के लिए पूंजी का उपयोग करना। इसके अलावा यह मौजूदा शेयरधारकों जैसे निजी इक्विटी को निकास प्रदान करता है, या रणनीतिक शेयरधारक के लिए आंशिक निकास अवसर प्रदान करता है। लिस्टिंग शेयर की तरलता को बढ़ाती है और शेयरधारकों को निवेश के मूल्यांकन का अवसर प्रदान करता है। यह कंपनी प्रबंधन में अधिक पारदर्शिता और दक्षता भी लाता है।
प्राथमिक बाजार में निवेश करते समय सावधानी

नए निवेशकों को आईपीओ में निवेश करने से पहले निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखना चाहिए:

1. व्यवसाय को समझें - चाहे वह एक नया व्यवसाय हो या एक प्रसिद्ध व्यवसाय। कंपनी में भविष्य के विकास के लिए चालक क्या हैं?
2. प्रबंधन की गुणवत्ता - प्रबंधक कौन हैं?
3. वे पैसे क्यों जुटा रहे हैं?
4. जारी करने से पहले और बाद में पूंजी संरचना
5. वित्तीय विवरणों और वर्तमान मूल्यांकन की उचित सावधानी

आईपीओ में हिस्सा लेने के लिए यूपीआई भुगतान विकल्प की शुरुआत के साथ, खुदरा निवेशकों के लिए पूरी प्रक्रिया बहुत आसान हो गई है। यह महत्वपूर्ण है कि खुदरा निवेशक अपने लिए पर्याप्त संपत्ति बनाने के लिए अच्छी गुणवत्ता वाले आईपीओ में भाग लें। याद रखें कि छोटे और मझौले उपक्रम बाज़ार (एसएमई सेगमेंट) में भी कुछ अच्छे निर्गम आते हैं। इसलिए आने वाले निर्गमों पर नजर रखें और अपनी जरूरतों और लक्ष्यों के अनुसार निवेश करें। निवेश के लिए आपको शुभेच्छा।

केआरए प्रणाली से ग्राहकों के केवाईसी दस्तावेज डाउनलोड करने पर स्पष्टीकरण

केआरए प्रणाली से डाउनलोड किए गए केवाईसी विवरण के आधार पर डीमैट खाता ऑनलाइन खोलते समय, डिपाजिटरी प्रतिभागी को डाउनलोड किए गए केवाईसी विवरण को अपने ग्राहक को प्रदर्शित करना चाहिए। ग्राहक को इस बात की पुष्टि करनी चाहिए कि केआरए से डाउनलोड किए गए विवरण में कोई बदलाव नहीं हुआ है और किसी भी बदलाव के मामले में, ग्राहक को दस्तावेज के साथ नवीनतम विवरण प्रदान करने का विकल्प प्रदान किया जाना चाहिए।
संदर्भ: एनएसडीएल की वेबसाइट पर उपलब्ध परिपत्र संख्या एनएसडीएल/पॉलिसी/2021/0028 दिनांक 22 मार्च, 2021

कंपनियों के शेयरधारकों के लिए बैंक खाता अद्यतन करने की सुविधा

जारीकर्ता कंपनियों से प्राप्त अनुरोध के आधार पर, एनएसडीएल ने डीमैट खाते में बैंक खाते के विवरण को अद्यतन (अपडेट) करने की सुविधा विकसित की है। इस

सुविधा के द्वारा जारीकर्ता कंपनियां अपने शेयरधारकों से संपर्क कर सकती हैं, जिन्हें वे धन भेजने में असमर्थ हैं।
संदर्भ: एनएसडीएल की वेबसाइट पर उपलब्ध परिपत्र संख्या एनएसडीएल/पॉलिसी/2021/0042 दिनांक 5 मई, 2021

निवेशक जागरूकता वेबिनार

निवेश के विभिन्न पहलुओं के बारे में निवेशकों को अवगत कराने के लिए एनएसडीएल पूरे देश में निवेशक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करता है। मौजूदा स्थिति को देखते हुए, एनएसडीएल वेबिनार के रूप में निवेशक जागरूकता कार्यक्रमों को जारी रखे हुये है। आगामी कार्यक्रमों / वेबिनार की सूची https://nsdl.co.in/Investor-Awareness-Programmes.php प्रकाशित की जाती है और नीचे भी दी गयी है। कृपया अद्यतन कार्यक्रम के लिए वेबसाइट का अवलोकन करें। वेबिनार में शामिल होने के लिए पूर्व पंजीकरण की आवश्यकता होती है। पंजीकरण के लिए लिंक सूची के साथ उपलब्ध है। आपके संगठन / संस्थान के लिए कार्यक्रम आयोजित करने में हमें खुशी होगी। ऐसे कार्यक्रम आयोजित किये जाने के लिए कृपया हमें info@nsdl.co.in पर लिखें।

आगामी निवेशक जागरूकता कार्यक्रम

क्रमांक	दिनांक	समय	विषय	भाषा
1	29 मई 2021	10.30 सुबह - 12.00 दोपहर	प्रतिभूति बाज़ार का परिचय	अंग्रेज़ी
2	29 मई 2021	05.30 संध्या - 07.00 संध्या	सोने में निवेश - खुदरा निवेशकों के लिए क्यों और कैसे	हिंदी
3	04 जून 2021	05.30 संध्या - 07.00 संध्या	निवेशकों के लिए एनएसडीएल की ई-सेवाएं	हिंदी
4	05 जून 2021	10.30 सुबह - 12.00 दोपहर	प्रतिभूति बाज़ार का परिचय	मराठी
5	05 जून 2021	05.30 संध्या - 07.00 संध्या	म्युचुअल फंड में निवेश - खुदरा निवेशकों के लिए क्यों और कैसे	अंग्रेज़ी
6	11 जून 2021	05.30 संध्या - 07.00 संध्या	शेयर बाज़ार में शेयर कैसे खरीदें और बेचें?	हिंदी
7	12 जून 2021	10.30 सुबह - 12.00 दोपहर	प्रतिभूति बाज़ार का परिचय	अंग्रेज़ी
8	12 जून 2021	05.30 संध्या - 07.00 संध्या	निवेशकों के लिए एनएसडीएल की ई-सेवाएं	अंग्रेज़ी
9	18 जून 2021	05.30 संध्या - 07.00 संध्या	विभिन्न परिसंपत्ति वर्गों को समझना	अंग्रेज़ी
10	19 जून 2021	10.30 सुबह - 12.00 दोपहर	प्रतिभूति बाज़ार का परिचय	अंग्रेज़ी
11	19 जून 2021	05.30 संध्या - 07.00 संध्या	शेयर बाज़ार में शेयर कैसे खरीदें और बेचें?	मराठी
12	25 जून 2021	05.30 संध्या - 07.00 संध्या	प्लेज और मार्जिन प्लेज	अंग्रेज़ी
13	26 जून 2021	10.30 सुबह - 12.00 दोपहर	प्रतिभूति बाज़ार का परिचय	हिंदी
14	26 जून 2021	05.30 संध्या - 07.00 संध्या	सोने में निवेश - खुदरा निवेशकों के लिए क्यों और कैसे	हिंदी

नॉलेज विन्स कांटेस्ट

राइट्स एंटाइटेलमेंट क्या है?

उत्तर भेजने के लिए इस लिंक पर क्लिक करें या क्यू आर कोड स्कैन करें

25 भाग्यशाली विजेताओं को मिलेंगे उपहार

पिछले महीने के विजेता

अनिल कुमार - यमुनानगर
अनीता डिसूजा - मुंबई
चेंथिल कुमार - पुणे
चंद्रेश डोबरिया - राजकोट
हरविंदर गरचा - पुणे
धंदापानी जनार्दन - चेन्नई
पूतन तोमर - हिसारी
आकाश जैन - ठाणे
प्रदीप पटेल - प्रतापगढ़

रंजीत कामथ - महाड
प्रवीणभाई वाघेला - अरावली
दीपक पारिख - सूरत
ब्रज मीणा -करौली
नरेंद्र जैन - कोटा
प्रसन्नन प - एर्नाकुलम
जयराम पाटिल -नंदुरबार
प्रकाश एस पी - उडुपी
रथीजीत कोनेर - बैंगलोर

रवींद्र जोशी -बर्धमान
रोहित जैन - पुणे
हिरेन पटेल - कोटा
राकेश मीणा - चंडीगढ़
शैलेश कालरा -उदयपुर
रंजीत शर्मा - मुंबई
दीपाली येलापुरे - हैदराबाद

मुख्य कार्यालय

ट्रेड वर्ल्ड, ए विंग, चौथा माला, कमला मिल्स कंपाउंड, सेनापति बापट मार्ग, लोअर परेल, मुंबई - 400013

शाखायें

अहमदाबाद कोच्चि कोलकाता चेन्नई जयपुर नई दिल्ली बेंगलुरु लखनऊ हैदराबाद

डीमैट संबंधित किसी भी शिकायत के लिए हमें relations@nsdl.co.in पर ई-मेल लिखें
डीमैट संबंधित अन्य किसी जानकारी के लिए हमें info@nsdl.co.in पर ई-मेल लिखें

नियम और शर्तें :

1)इस प्रतियोगिता के निष्पादन के लिए केवल एनएसडीएल जिम्मेदार रहेगा। यह प्रतियोगिता सिर्फ भारतीय नागरिकों के लिए है। 2)एनएसडीएल के कर्मचारी इस प्रतियोगिता में भाग नहीं ले सकते। 3)व्यक्तिगत जानकारी पूरी और सही होनी चाहिए। 4)आवश्यकता पड़ने पर एनएसडीएल प्रमाण की मांग कर सकता है| 5)एनएसडीएल को किसी भी समय बिना किसी पूर्व सूचना दिए, प्रतियोगिता बंद करने का अधिकार है। 6)विजेताओं का चयन एनएसडीएल द्वारा किया जाएगा। एनएसडीएल का निर्णय अंतिम होगा|

नेशनल सिक्युरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड इन्वेस्टर प्रोटेक्शन फंड ट्रस्ट की ओर से **श्री प्रशांत वागल** (संपादक) द्वारा प्रकाशित